RNI REG NO HARHN/2017/72144

मूल्य 90 रुपया

यात्रा आमंत्रण

अक्टूबर - नवंबर 2024

अंक 14

भारत की एक मात्र हिंदी पर्यटन पत्रिका

दास्ताने-ए-कारवां

लग्जरी यात्रा का नया अंदाज

पर्यटन उद्योग में गैर-परिवर्तनीय डेबेंचर की संभावना
पृष्ट 10

यात्रियों पर यात्रा सोशल सामग्री का असर
पृष्ट 14

कॉर्पोरेट यात्रा बाजार 2030 तक लगभग 10.6 अरब डॉलर से बढ़कर 20.8 अरब डॉलर (लगभग 8,800 करोड़ रुपये से 17,400 करोड़ रुपये) के दोगुना होने की उम्मीद है।

01

कॉर्पोरेट यात्रा को बढ़ावा देने वाले प्रमुख उद्योग

- आईटी सेवा
- तेल और गैस
- बैंकिंग और वित्तीय सेवा
- इंजीनियरिंग
- विमानन
- ऑटोमोबाइल

02

घरेलू यात्रा

88% लोग 4 दिनों के लिए यात्रा करते हैं

33% लोग साल में एक बार या उससे अधिक यात्रा करते हैं

03

अंतरराष्ट्रीय यात्रा

28% लोग एक हफ्ते के लिए यात्रा करते हैं

34% लोग एक या दो बार प्रति तिमाही यात्रा करते हैं।

04

सहायक सेवा की मांग

63% लोग वीजा सहायता मांगते हैं

72% लोग टैक्सी सेवा की मांग करते हैं

05

व्यावसायिक अवकाश ट्रेंड

37% उत्तरदाता व्यवसाय यात्रा के दौरान छुट्टी बढ़ाते हैं।

81% लोग 1-2 अतिरिक्त दिन जोड़ते हैं, और 19% लोग 3-4 दिन बढ़ाते हैं

06

संगठन के आकार के अनुसार यात्रा खर्च

छोटे और मध्यम आकार के (250 कर्मचारियों तक) - 1 करोड़ प्रति वर्ष

बड़े (250-500 कर्मचारी) - 10 करोड़ प्रति वर्ष

संपादक की ओर से संदेश

साल 2024 की दीपावली एक दम नज़दीक है और आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं। दीपावली में छुट्टियों का मौसम भी अपनी परवान चढ़ता है और घरेलू तथा विदेशी यात्रा का व्यापार भी जोर पकड़ता है। परिवार के साथ कहां जाना है, ये आपका बजट तय करेगा और जहां भी जाएंगे, खूब आनंद लेने की अपेक्षा रहेगी।कुछ राज्यों में चुनाव भी चल रहे हैं, जैसे हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र। हरियाणा में पर्यटन के क्या मौके हैं, मुझे आज तक नहीं पता चला। पिछले साल कुरुक्षेत्र गया और गीता स्थली के दर्शन किए, पर वहां अव्यवस्था ही महसूस हुई। कश्मीर के तो क्या कहने, पर अस्थिरता बनी हुई है। महाराष्ट्र में पर्यटन अनगिनत है, पर क्या चुनाव के मध्य राजनेता पर्यटन विकास पर कुछ कहने की जहमत उठाते हैं? आप बताएं।

फिलहाल, इस बार कारवां यात्रा पर अंक प्रकाशित कर रहा हूं। हो सकता है, दिवाली इस बार आप किसी कारवां के सफर के साथ मनाएं। यह रोमांचक और अद्भुत रहेगा, है ना? तो अब यात्रा आमंत्रण का अगला अंक साल 2025 में आएगा, जनवरी के महीने में। तब तक के लिए दीपावली उत्सव का आनंद लें और अगर कारवां की यात्रा में हैं, तो अपने विचार हमारे साथ साझा करें। हमें उन्हें प्रकाशित करने में खुशी महसूस होगी।

बिस्वदीप रॉयचौधरी
संपादक

संपादकीय टीम

संपादक
बिस्वदीप रॉयचौधरी

सलाहकार
गौर कंजीलाल

वरिष्ठ संवाददाता
सुहासिनी साकिर

उत्तर प्रदेश ब्यूरो प्रमुख
प्रताप सिंह

सांगली संवाददाता
तेजस संगार

दिल्ली टीम
कपिल अत्री
दीपक शर्मा
शंकर सिंह कोरंगा
मोहन जोशी
भावना अत्री

यूरोप संवाददाता
चेतन वाधेर

सोशल मीडिया पोस्ट प्रोडक्शन
विकांत रंजन

मुंबई टीम
नरेंद्र पाटिल

पता:
189/10, सेक्टर एक, चर्कोप,
कांदिवली (पश्चिम), मुंबई 61

हमारा अनुसरण करें:
@yatramantran

हमारी वेबसाइट पर जाएं:
www.willindiachange.org
www.yatramantran.com

हमारे यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइब करें:
यात्रा आमंत्रण

विशेष धन्यवाद:
मोटरहोम एडवेंचर, कारवांडर, ग्रीनडॉट एक्सपेडिशन, ईशान सोढ़ी।

भारत में कारवां पर्यटन: नई संभावनाएँ

“ आर्थिक परिदृश्य

भारत का कारवां बाजार 2026 तक लगभग 451 अरब भारतीय रुपये तक पहुँचने का अनुमान हैं , जो लगभग 8.2% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। छुट्टियों में पर्यटन की बढ़ती रुचि और बढ़ती हुई आय इस मांग का मुख्य कारण हैं।

वैश्विक कैंपिंग और कारवांग बाजार ने भी 2022 और 2023 के बीच उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया है। इस बाजार का मूल्य 2022 में लगभग 5.6 लाख करोड़ रुपये (67.38 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से बढ़कर 2023 में लगभग 5.9 लाख करोड़ रुपये (72.17 बिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया है, जो 7.1% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) दर्शाता है। यह डेटा दुनिया भर में कारवां पर्यटन की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करता है।

भारत में कारवां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार और निजी कंपनियाँ सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। जैसे-जैसे लोग अपनी यात्रा के अनुभव को और अधिक अनोखा और स्वतंत्र बनाना चाहते हैं, कारवां में छुट्टियाँ मनाना एक आकर्षक विकल्प बनता जा रहा है।

कोविड-19 महामारी के दौरान, जब 14.5 मिलियन नौकरियाँ खत्म हुईं और देश का पर्यटन क्षेत्र पुनर्जीवित होने की कोशिश कर रहा था, कैंपरवैनिंग एक संभावित जीवन रेखा के रूप में उभरी है।

कारवां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों के प्रयास

"सुविधाओं और आराम के साथ ग्लैमरस कैंपिंग (ग्लैम्पिंग) धनाढ्य लोगों और युवा पीढ़ी के लिए आकर्षण बन गई है। लोग प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के नए तरीके तलाश रहे हैं।

गोवा ने हाल ही में एक पर्यटन मास्टर प्लान और नीति बनाई है, जिसका लक्ष्य इसे एक साल भर चलने वाले जिम्मेदार पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करना है।गोवा अपने खूबसूरत अंतर्देशीय क्षेत्रों, बैकवाटर औरप श्चिमी घाटों की जैव विविधता के साथ-साथ अपने प्रसिद्ध समुद्रतटों को भी प्रदर्शित करना चाहता है।इसके लिए, गोवा सरकार "कारवां पर्यटन नीति" शुरू कर रही है, जो पर्यटकों की बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार नए पर्यटन उत्पादों को विकसित करने पर केंद्रित है। इस नीति सेकारवां पर्यटन की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और इसे बढ़ती मांग को पूराकरने में मदद मिलेगी गोवा की नीति के तहत, राज्य सरकार कारवां वाहनों की खरीद और विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इसके साथ ही, महाराष्ट्र ने भी "महाराष्ट्र पर्यटन नीति 2016" में कारवां पर्यटन को शामिल किया है।इस नीति के तहत, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सहयोग से कारवां पार्क बनाए जाएंगे और सुरक्षा मानदंडों का पालन किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में, कारवां पर्यटन की शुरुआत हो चुकी है। उत्तरप्रदेश पर्यटन विभाग ने मोटोहोम कारवां टूर की पेशकश की है, जिसमें 6-8 मेहमानों के लिए आरामदायक शयनकक्ष, शौचालय और खाना पकाने की सुविधाएँ शामिल हैं।यह यात्रा अनुभव अद्वितीय है, जहाँ आप अपने वाहन में यात्रा करते हुए राज्य के विभिन्न स्थलों का आनंद ले सकते हैं।

मध्य प्रदेश सरकार ने भी ऐसे कारवां शुरू किए हैं जिन्हें पर्यटक किराए पर ले सकते हैं।वे इसे कई मार्गों के लिए किराए पर देते हैं, जिनमें जबलपुर-बेढ़ाघाट- कान्हा-जबलपुर मार्ग सब से प्रमुख है।

अंडमान और निकोबार प्रशासन ने भी जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मसौदा कारवां पर्यटन नीति तैयार की है, जो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केरल ने कारवां और कारवां पार्क की शुरुआत की है, जिसमें लगभग 150 लोगों ने 350 कारवां और 90 लोगों ने 120 कारवां पार्क लाने के लिए पंजीकरण कराया है।

इन प्रयासों के माध्यम से, भारत में कारवां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारें लगातार नई पहलों पर काम कर रही हैं, जो न केवल पर्यटन को बढ़ाएगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी समृद्ध करेगी।

सबसे पहले, भारत में कारवां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कारवां उत्पादों से लेकर सड़क परमिट की कमी जैसे कारकों में सुधार की आवश्यकता है। जब तक ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया से मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक किसी वाहन को कारवां में नहीं बदला जा सकता। कारवां को पूरे भारत में एक ही लाइसेंस प्लेट के तहत एक परमिट के साथ लाया जाना चाहिए और उन्हें जीएसटी की तरह केंद्रीय सड़क कर तंत्र का उपयोग करके चलने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसके अलावा, चूंकि कारवां के लिए भारी निवेश की आवश्यकता होती है, इसलिए मार्केटिंग, प्रचार, सब्सिडी, हाइब्रिड कारवां पार्क और वित्तीय सहायता के मामले में सरकार से समर्थन की आवश्यकता है, जहां भारत कहीं पीछे है।

मोटरहोम एडवेंचर्स

ने यात्रा आमंत्रण के साथ अपने विचार साझा किए

कारवां व्यवसाय में आने वाली चुनौतियाँ

30 साल पहले, जब हमने अपने कारवां व्यवसाय की शुरुआत की थी, तब भारत में कारवां और मोटरहोम की कोई संस्कृति नहीं थी। लोग केवल कार में यात्रा करने के बारे मेंजानते थे। लेकिन आज डिजिटल युग की बदौलत लोग इस संस्कृति के बारे में थोड़ा बहुत जानते हैं, फिर भी जानकारी की कमी अभी भी एक बड़ी चुनौती है। इस वजह से हमारे पास समर्पित कारवां पार्क नहीं हैं, जिससे नए उद्यमियों केलिए इस क्षेत्र मेंकदम रखना डरावना हो जाता है।

हमें अभी भी विदेशी मानकोंतक पहुँचने में समय लगेगा, लेकिन हमें विश्वास है कि बाजार में वृद्धि के साथ ये चुनौतियाँ समाप्त होंगी। बिल्डिंग सेक्टर में कई आर.टी.ओ. विभागों की जानकारी की कमी के कारण लोग विशेष प्रयोजन वाले वाहनों को पंजीकरण कराने से डरते हैं।

एक और बड़ी समस्यायह है कि लोग कारवां के बारे में जानकारी की कमी के कारण वैनिटी वैन जैसी अवधारणाओं को अपनाते हैं, और उन्हें कारवां समझते हैं। जबकि कारवां, मोटरहोम और आर.वी. की अवधारणा इनसे बहुत अलग है। कुछ कंपनियाँ सस्ती दरों पर इनकी पेशकश करके बाजार में भ्रम पैदा कर रही हैं, जो गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं रखतीं।

हमारे पास कई ग्राहक ऐसे आए हैं जो हमारे पास संपर्क करके फिर किसी अन्य विक्रेता के पास चले जाते हैं। इसके बाद, वे एक महीने के अंदर खराब गुणवत्ता वाली गाड़ियों के साथ हमारे पास लौटते हैं। यह सब इसलिए होता है क्योंकि बिल्डर सुरक्षा प्रोटोकॉल को नजर अंदाज कर देते हैं, जो सस्ती लागत और जानकारी की कमी के कारण होता है।

हमें कस्टमाइजेशन की गुणवत्ता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उचित लागत में काम करना मुश्किल हो जाता है।हमारे लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि हम गुणवत्ता से समझौता न करें।

मोटरहोम के बारे में जानकारी

मोटरहोम, कारवां, आर.वी., ओवर लैंडिंग वाहन और कैंपरवैन, ये सभी अलग-अलग अवधारणाएँ हैं। मोटरहोम एक बड़ा घर होता है, जो आमतौर पर चेसिस पर बनाया जाताहै। आर.वी. (मनोरंजनवाहन) मोटरहोम से अधिक शानदार होते हैं, जबकि कारवां और कैंपरवैन में घर जैसी सुविधाएँ होती हैं।

पिछले तीन दशकों में, हमने अपने कारवां में ऐसे स्थानों पर यात्रा की है जहाँ हम व्यवसायिक रूप से नहीं गए हैं। यही बात मोटरहोम एडवेंचर्स के विकास का कारण बनी है।

संभावनाएँ और कस्टमाइजेशन

कारवां डेवलपर्स के लिए पर्यटनऔर बॉलीवुड सबसे संभावनाशील क्षेत्र हैं। हमने कई जानी-मानी हस्तियों के लिए कारवां बनाए हैं, जैसे अभिनेता हर्षवर्धन राणे। कई अन्य अभिनेता भी मोटरहोम और आर.वी. की अवधारणा में रुचि रखते हैं।

हालांकि, हमारे देश में सिर्फ अभिनेता ही नहीं, बल्कि कई अन्य लोग भी हैं जो यात्रा करना पसंद करते हैं। इसलिए, गुणवत्ता और मात्रा का संतुलन बनाना जरूरी है। जो आपके 'क्यों' को संतुष्ट करता है, वही सही उत्तर होगा।

इन चुनौतियों और संभावनाओं केबीच, मोटरहोम एडवेंचर्स कारवां पर्यटन को एक नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

.

कैरवाँ उद्योग अब केवल कैरवाँ तक सीमित नहीं है; ओवरलैंडिंग भी बहुत लोकप्रिय हो रहा है। पहले हम चार धाम यात्रा के लिए पूछताछ पाते थे, लेकिन अब छोटी और घरेलू यात्राओं के लिए भी लोग संपर्क कर रहे हैं। हमने लद्दाख से कन्याकुमारी तक कई तरह के अभियान किए हैं। अब लोग हमारे कैरवाँ को जन्मदिन पार्टियों और अन्य आयोजनों के लिए किराए पर लेने के लिए भी आ रहे हैं। यह दर्शाता है कि बाजार में रुचि बढ़ रही है, और कैरवाँ संस्कृति का आकार भी तेजी से बढ़ रहा है।

परिवार के संग यात्रा: एक कारवां ब्लॉगर का अद्भुत अनुभव

कैंपर वैन में सफर करने से हमें देश की विविधताओं और संस्कृतियों को करीब से जानने का अवसर मिलता है। यह सफर हमें सरलता से जीना सिखाता है और कम संसाधनों में जीने का अनुभव देताहै।

"इशान सोधी
स्वास्थ्य सलाहकार

कोविड-19 के दौरान, हमें अपने सफर को जारी रखने के लिए एक सुरक्षित तरीका खोजने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हमारी बेटी, जो तब दो साल की थी, के स्वास्थ्य की चिंता के साथ हमें यात्रा भी करनी थी।इसीलिए, हमने अपनी सात सीटर एसयूवी को मॉडिफाइड कर कैंपर वैन बना दिया।

कार की सुविधाएँ

हमारी कैंपर वैन में सभी आवश्यक सुविधाएँ हैं। इसमें बेड, किचन सेटअप और एक रूफ टॉप टेंट शामिल है। हमने इसमें 30 लीटर का पानी काकैन, रिचार्जेबल बैटरी से चलने वाले उपकरण और एक पोर्टेबल टॉइलट भी रखा है।एक छोटा गैस सिलिंडर है, जिससे हम अपने पसंदीदा खाने का आनंद ले सकते हैं।

यात्रा प्रेरणा

कैंपर वैन में सफर करने से हमें देश की विविधताओं और संस्कृतियों को करीब से जानने का अवसर मिलता है। यह सफर हमें सरलता से जीना सिखाता है और कम संसाधनों में जीने का अनुभव देताहै।

यादगार यात्रा

हमारा सबसे यादगार सफर भोपाल से गंगोत्री धामतक का था, जिसमें हमने लगभग 1200 किमी की यात्रा की।इस दौरान हमने 5 राज्यों को पार किया। सफर के दौरान, हमें कभी भी अपने घर से दूर होने का एहसास नहीं हुआ, क्योंकि सभी आवश्यक सामान हमारे साथ थे। हमने एक बार भी किसी होटल का खाना नहीं खाया और अपने कैंपर में ही खाना बनाया।
इस यात्रा के दौरान हमने स्थानीय संस्कृति और लोगों से मिलने का मौका पाया, जो हमारे अनुभव को और भी समृद्ध बनाता है। हमारी बेटी इशिका ने इस यात्राके माध्यम से बहुत कुछ सीखा और इस वातावरण में ढलने की कोशिश की।

यात्रा सुझाव

- सफर की योजना अच्छी तरह बनाएं।
- कैंपिंग साइट की पहले से जानकारी रखें।
- आवश्यक सामान सही से पैक करें, लेकिन ओवर पैकिंग से बचें।
- पहाड़ी क्षेत्रों के लिए गर्म कपड़े, अच्छे ट्रैकिंग शूज़, और एक छोटा ऑक्सीजन सिलिंडर साथ रखें।

यात्रा आमंत्रण पर विचार

मैंने यात्रा आमंत्रण के कई संस्करण पढ़े हैं और यह देखकर खुशी होती है कि ऐसी पत्रिका हिंदी में यात्रा प्रेमियों के लिए उपलब्ध है। यह सांस्कृतिक धरोहरों और विविधताओं को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन प्रयास है। हम भाग्यशाली हैं कि इस माध्यम से अपने अनोखे यात्रा अनुभवों को साझा कर पा रहे हैं।

साहस और स्वतंत्रता: कारवां यात्रा पर खुद को खोजें

सिद्धार्थ आर्य जॉली, कैरावेंडर के सह-संस्थापक, हमें यात्रा के नए अनुभव के बारे में बताते हैं। कैरावेंडर का उद्देश्य उन साहसी यात्रियों के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश करना है, जो स्वतंत्रता, आराम और अपनी शर्तों पर दुनिया का पता लगाने की इच्छा रखते हैं। यह प्रीमियम कारवां प्रदान करने में विशेषज्ञता रखता है, जो हर सड़क यात्रा को यादगार बनाता है।
साहस और स्वतंत्रता: कैरवाँ यात्रा पर खुद को खोजें .
कैरावेंडर की स्थापना उन यात्रियों की बढ़ती मांग से प्रेरित हुई है, जो प्रकृति में पलायन, व्यक्तिगत रोमांच और विभिन्न परिदृश्यों को पार करने की क्षमता की तलाश में हैं।चाहे वह वीकेंड गेटअवे हो या क्रॉस-कंट्री एडवेंचर, कैरावेंडर ग्राहकों को घर के सभी आरामों के साथ स्टाइल में यात्रा करने की अनुमति देता है।

ओपन रोड के लिए विशेषज्ञ सुझाव:
कैरावेंडर अपने ग्राहकों के लिए यात्रा के अनुभव को बढ़ाने के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान करता है:

1. पैकिंग के लिए आवश्यक सामान: हल्के कपड़े, जल्दी खराब न होने वाले स्नैक्स और पोर्टेबल ग्रिल रखें।
2. रूट प्लानिंग: ऐप का उपयोग करके रूट की पहले से योजना बनाएं और स्थानीय छिपे हुए रत्नों का पता लगाएं।
3. सुरक्षा और शिष्टाचार: सड़क सुरक्षा का पालन करें, शोर कम रखें और कचरे का उचित तरीके से निपटान करें।
4. सेट अप और रख रखाव: कुशल कारवां सेटअप और नियमित रख रखाव सीखें।
5. पर्यावरण के अनुकूल यात्रा: सौर ऊर्जा का उपयोग करें और कचरे को कम करें।
6. आंतरिक भाग को व्यक्तिगत बनाएं: व्यक्तिगत सामान लाएं और भंडारण के लिए ढहने वाले डिब्बे का उपयोग करें।
7. स्वास्थ्य और सुरक्षा: प्राथमिक चिकित्सा किट स्टॉक में रखें और एक आपातकालीन योजना बनाएं।
8. उपयोगी ऐप्स: नेविगेशन और मनोरंजन के लिए ट्रैवल ऐप्स का उपयोग करें।
9. मौसमी गंतव्य: मौसम के अनुसार गंतव्य चुनें।
10. लचीली यात्रा: सहज रहें और दिलचस्प स्थानों पर रुकें।

कैरावेंडर की यह यात्रा न केवल रोमांचक है, बल्कि यह यात्रा प्रेमियों को नए अनुभव और साहसिकता की ओर भी प्रेरित करती है।

कारवां यात्रा पारंपरिक यात्रा से बहुत अलग है

सुरेंद्र गोदारा, एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर और यूट्यूबर, ने कारवां यात्रा के प्रति अपने जुनून को साझा करते हुए कहा कि उन्हें कुछ ऐसा चाहिए था जिससे वे घूम सकें और अपनी नौकरी भी जारी रख सकें। चार वर्षों से कारवां बनाने के विचार में डूबे रहने के बाद, उन्होंने 2024 में अपने दोस्तों के साथ मिल कर इसे साकार करने का फैसला किया।उन्होंने एक वैन बुक की और उसे खुद ही कारवां में बदलने का कार्य शुरू किया, जिसमें उन्हें डेढ़ महीने का समय लगा।उन्होंने कहा, "मैं हमेशा कहता हूँ कि लोग किसी भी दृश्य बिंदु पर जाते हैं और केवल 1-2 घंटे बिताते हैं और वापस आ जाते हैं, लेकिन कारवां के साथ हम वहाँ रह सकते हैं और सुबह और शाम काभी अनुभव कर सकते हैं और वहाँ कोई नहीं होता।"

उन्होंने कारवां बनाने की लागत भी साझा की, जो इस प्रकार है:

1. वाहन की लागत - मारुति एको (राजस्थानमें 6.5 लाख)
2. बुनियादी वाहन संशोधन लागत (फॉग लैंप, एलईडी लाइट, म्यूजिक सिस्टम, बैक कैमरा, पावर विंडो, सेंट्रल लॉकिंग, मड प्रोटेक्टर, डैशकैम आदि) - 72,000 रुपये
3. फर्नीचर की लागत - 30,000 रुपये
4. वैन के ऊपर लगेज कैरियर की लागत - 20,000 रुपये
5. सोलर पैनल, अतिरिक्त पावर बैकअप बैटरी और इन्वर्टर जैसी इलेक्ट्रिकल लागत - 40,000 रुपये

प्रकृति की गोद में यात्रा: एक विशेष अनुभव”

“ मैंने पहला कारवां बनाया चौबीस साल पहले , नाम रखा किंग कोबरा , सांपो के बारे में जानकारी देने जाता था ” - सेवानिवृत्त कैप्टन सुरेश शर्मा

सेवानिवृत्त कैप्टन सुरेश शर्मा, जो ग्रीन डॉट एक्सपीडिशन के संस्थापक हैं, अपने अनुभवों के माध्यम से कारवां यात्रा का एक अनूठा पहलू साझा करते हैं। उनका मानना है कि ग्रीन डॉट एक्सपीडिशन आपको प्रकृति के करीब रहने का मौका देता है, चाहे वह झील का किनारा हो, पहाड़ की ऊँचाई हो या जंगल की हरियाली। यह अनुभव केवल यात्रा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आपके लिए एक अनमोल अनुभव की तरह है।

कारवां यात्रा का असली मज़ा

सुरेश शर्मा कहते हैं, "कारवां आपको बुनियादी सुविधाओं के साथ अनूठे जगहों का आनंद लेने का मौका देता है।" उनका यह भी मानना है कि आपको अधिक से अधिक समय ऐसे अनूठे स्थलों पर बिताना चाहिए, बजाय इसके कि आप केवल परिवहन के साधन के रूप में कारवां का उपयोग करें। लंबी छुट्टियों के लिए कारवां बेहद उपयुक्त हैं, और अगर यह खुद से चलाया जा रहा हो, तो यह अनुभव और भी रोमांचक हो जाता है।

हालांकि, शर्मा यह भी स्वीकार करते हैं कि "दुख की बात है कि भारत में हर कोई सामान्य कारों से बड़ी गाड़ियाँ नहीं चला सकता है।" कई भारतीयों के लिए कारवां संभालना मुश्किल हो सकता है। इसलिए, यदि आप एक आरामदायक और तरोताज़ा अनुभव की तलाश में हैं, तो आपको कुछ बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

कारवां के साथ यात्रा करने के लिए सलाह

अगर आप अपने आप को कुछ दिन गर्म पानी से नहाये बिना तरोताज़ा रख सकते हैं तो कारवां यात्रा आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प है। लेकिन, यह भी ध्यान रखें कि कारवां गर्म मौसम वाली जगहों के लिए उपयुक्त नहीं होते। शर्मा कहते हैं, "आपको वाहन की बुनियादी तकनीकी समस्याओं को संभालने में सक्षम होना चाहिए, और कारवां को हमेशा सर्वोत्तम स्थिति में रखना आवश्यक है।"

उन्होंने इस बात को बड़े साफ़ शब्दों में कहा कि "मैं हमेशा कहता हूं कि कारवां चलाना जैसे एक घंटे के लिए घोड़े की सवारी करने जैसा है, आपको इसके रख रखाव के लिए मानो घोड़े के नीचे चार घंटे बिताने जैसा हैं।" आमतौर पर, कैंपरवैन में बिल्ट-इन शौचालय और शॉवर नहीं होते, जिससे आपको बाहर जाने के लिए कुछ तैयारी करनी पड़ती है।

ओवरलैंडिंग का आनंद

सुरेशशर्मा ओवर लैंडिंग को एक सक्रिय आउटडोर जीवन शैली मानते हैं, जिसमें "आपकी मर्जी और इच्छा के अनुसार खानाबदोश जीवन जीने की क्षमता हो।" उनका कहना है कि यह यात्रा केवल गंतव्यों तक पहुँचने का मामला नहीं है, बल्कि यात्रा के अनुभव को ही गंतव्य बनाना है।

उनके अनुसार, "यह बाहर की आज़ादी है, विदेशी एकांत स्थानों पर एक सक्रिय जीवन जीने से मिलने वाली समृद्धि, और जहाँ आप चाहें, जब चाहें जाने की क्षमता।" ग्रीन डॉट एक्सपीडिशन आपके लिए ऐसे अनुभव लाता है, जो न केवल यात्रा को मजेदार बनाते हैं, बल्कि परिवार के साथ बंधन को भी मजबूत करते हैं।

अनोखा डिज़ाइन और सुविधाएँ

उनका RV डिज़ाइन बहुत ही अनूठा है, जो आपकी अनुभवात्मक छुट्टियों में आपको अतिरिक्त आराम प्रदान करता है।शर्मा कहते हैं, "कल्पना कीजिए, अपने जीवन साथी के साथ एकांत समुद्र तट पर एक ताज़ा कप चाय और गर्म स्नैक्स का आनंद लेना।" ग्रीन डॉट एक्सपीडिशन आपको मोबाइल कैंपिंग का एक अनोखा अनुभव प्रदान करताहै, जिसमें न केवल आराम है, बल्कि यह फोटोग्राफी के लिए भी आदर्श है।

निष्कर्ष

अगर आप नई जगहों की खोज करना चाहते हैं और प्रकृति के करीब रहना चाहते हैं, तो ग्रीन डॉट एक्सपीडिशन आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह न केवल यात्रा को आनंददायक बनाता है, बल्कि आपके परिवार के साथ बंधन को भी मजबूत करता है।

गैर-परिवर्तनीय डेबेंचर : पर्यटन क्षेत्र में निवेश का एक नया विकल्प

स्थायी विकास के लिए निवेशकों को आकर्षित करने में मददगार, पर्यटन उद्योग में संभावनाओं का विस्तार

गैर-परिवर्तनीय डेबेंचर और पर्यटन उद्योग: क्या लाभकारी हैं?

गैर-परिवर्तनीय डेबेंचर (NCD) पर्यटन उद्योग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।आइए जानते हैं कि NCDs कैसे पर्यटन क्षेत्र के लिए लाभकारी हो सकते हैं।

NCD के माध्यम से पर्यटन उद्योग में लाभ

पूंजी जुटाने का साधन: पर्यटन उद्योग में होटल, रिसॉर्ट, और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए बड़ी पूंजी की आवश्यकता होती है। NCDs कंपनियों को बिना शेयर बेचकर पूंजी जुटाने का अवसर देते हैं, जिससे वे अपने विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन प्राप्त कर सकते हैं।

नियंत्रित रिटर्न: NCDs निवेशकों को निश्चित ब्याज दर प्रदान करते हैं। इससे पर्यटन कंपनियों को अपने निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने की क्षमता होती है, जो वित्तीय स्थिरता में सहायक हो सकता है।

नवीनता और विस्तार: पर्यटन कंपनियाँ NCDs के माध्यम से जुटाए गए धन का उपयोग नई परियोजनाओं या सुविधाओं के विकास में कर सकती हैं। जैसे कि नई यात्रा सेवाएँ, पर्यटन स्थलों का विकास, या तकनीकीअ पग्रेड।

प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा: पर्यटन उद्योग प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूकंप आदि से प्रभावित हो सकता है। NCDs का उपयोग इमरजेंसी फंड के रूप में किया जा सकता है, जिससे कंपनियाँ ऐसी परिस्थितियों में भी स्थिर रह सकें।

नियामक समर्थन: यदि NCDs को नियामक संस्थाओं द्वारा समर्थन मिलता है, तो इस से निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और कंपनियों कोअधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलती है।

हालांकि, NCDs का उपयोग पर्यटन क्षेत्र में कुछ चुनौतियाँ भी हो सकती हैं:

बाजार की अस्थिरता: पर्यटन उद्योग आर्थिक चक्रों के प्रति संवेदनशील होता है।आर्थिक मंदी के समय, यात्राओं में कमी आने से कंपनी की आय प्रभावित हो सकती है, जिससे NCD चुकौती में समस्या हो सकती है।

प्रतिस्पर्धा: यदि कई कंपनियाँ NCDs जारी करती हैं, तो बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, जिससे ब्याज दरों में वृद्धि हो सकती है।

नियामक बाधाएँ: पर्यटन क्षेत्र को भी विभिन्न नियामकीय नियमों का पालन करना पड़ता है, जो NCDs के निर्गम को प्रभावित कर सकते हैं।

पूंजी जुटाने का साधन:

पर्यटन उद्योग में होटल, रिसॉर्ट, और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए बड़ी पूंजी की आवश्यकता होती है। NCDs कंपनियों को बिना शेयर बेचकर पूंजी जुटाने का अवसर देते हैं, जिससे वे अपने विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन प्राप्त कर सकते हैं।

गैर-परिवर्तनीय डेबेंचर क्या है?

गैर-परिवर्तनीय डेबेंचर (NCD) एक प्रकार का ऋण प्रतिभूति है, जो कंपनियों द्वारा पूंजी जुटाने के लिए जारी किया जाता है। जब आप NCD खरीदते हैं, तो आप कंपनी को धन उधार देते हैं, और इसके बदले में कंपनी आपको निश्चित अवधि के लिए ब्याज देती है। NCD का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह निवेशकों को नियमित आय प्रदान करता है।इसके अलावा, NCD का एक निश्चित परिपक्वता समय होता है, जो कि आमतौर पर 1 से 10 साल तक हो सकता है।

NCD एक आकर्षक निवेश विकल्प है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। निवेशकों को चाहिए कि वे अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहिष्णुता के अनुसार निर्णय लें।

इसलिए, निवेश करने से पहले NCD के बारे में सही जानकारी और समझ हासिल करना आवश्यक है। इससे आप बेहतर निर्णय ले सकेंगे और अपने निवेश को सुरक्षित रख सकेंगे।

NCD के लिए नियामक विचार

NCDs के लिए सामान्यत: बैंकों, वित्त मंत्रालय या सरकार की सीधे अनुमति की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक होता है:
SEBI के नियम: भारत में, NCDs का निर्गमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा नियंत्रित होता है।कंपनियों को सार्वजनिक निर्गम के लिए निर्धारित दिशा निर्देशों का पालन करना होता है।
क्रेडिट रेटिंग: NCDs आमतौर पर एक मान्यता प्राप्त रेटिंग एजेंसी (जैसे कि Crisil या ICRA) से क्रेडिट रेटिंग कीआवश्यकता होती है।यह रेटिंग निवेशकों को निवेश सेजुड़े जोखिम काआकलन करने में मदद करती है।
खुलासे की आवश्यकताएँ: कंपनियों को निवेशकों को NCDs से जुड़े शर्तों, नियमों और जोखिमों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करनी होती है।

विमानन उद्योग में NCD

हाल ही में, अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने 1960 करोड़ रुपये का NCD जारी करने की योजना बनाई है। अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स का NCD 9.35% की वार्षिक ब्याज दर के साथ जारी किया जाएगा।इस धन का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न एयरपोर्टों को इंटर-कंपनी ऋण प्रदान करने के लिए किया जाएगा, जिनमें अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरू, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं।यह NCD भारतीय एयरपोर्ट प्राधिकरण के लिए पिछले समय की नियामकीय संपत्तियों के भुगतान को कवर करेगा, जिसे एयरपोर्ट आर्थिक नियामक प्राधिकरण (AERA) ने मंजूरी दी है।

एयरपोर्ट आर्थिक नियामक प्राधिकरण (AERA)
AERA एक नियामक प्राधिकरण है, जिसका मुख्य कार्य एयरपोर्टों के विकास और संचालन से संबंधित मामलों का मूल्यांकन और निगरानी करना है।यह प्राधिकरण यह सुनिश्चित करता है कि एयरपोर्टों के टैरिफ और सेवाएं उचित और पारदर्शी हों। AERA की मंजूरी से एयरपोर्टों को मिलने वाली सहायता और संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित होता है।

पर्यटन उद्योग में NCD के माध्यम से लाभ: एक वास्तविक उदाहरण

महिंद्रा हॉलिडेज़ ने NCD जारी किए थे, जिनसे कंपनी ने महत्वपूर्ण राशि जुटाई थी।इस राशि का उपयोग कंपनी ने अपने रिसॉर्ट्स और हॉलीडे पैकेजों के विकास में किया।
नए रिसॉर्ट्स का विकास: महिंद्रा ने जुटाई गई पूंजी का उपयोग नए रिसॉर्ट्स खोलने और मौजूदा रिसॉर्ट्स को उन्नत करने में किया, जिससे उनकी उपस्थिति और बाजार हिस्सेदारी बढ़ी।
सेवाओं का विस्तार: NCD के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल यात्रा सेवाओं को विस्तारित करने के लिए भी किया गया, जैसे कि विशेष पैकेज और अनुभव जो परिवारों और समूहों को आकर्षित करते हैं।
निवेशकों के लिए स्थिरता: NCDs के माध्यम से महिंद्रा ने अपने निवेशकों को निश्चित और आकर्षक ब्याज दरें प्रदान की, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा और कंपनी को आगे और निवेश आकर्षित करने में मदद मिली।
महिंद्रा हॉलिडेज़ का यह उदाहरण दर्शाता है कि कैसे NCDs का उपयोग करके कंपनियाँ पर्यटन उद्योग में विस्तार कर सकती हैं। NCDs न केवल पूंजी जुटाने का एक साधन हैं, बल्कि ये कंपनियों को अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने और ग्राहक अनुभव को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करते हैं।इस तरह, NCDs पर्यटन उद्योग के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

NCD के लिए उपयुक्त क्षेत्र

अवसंरचना: परिवहन और उपयोगिताओं जैसे क्षेत्रों को NCDs से लाभ होता है, क्योंकि विकास के लिए आवश्यक पूंजी और इन उद्योगों से जुड़ी स्थिर नकद प्रवाह होती है।

रियल एस्टेट: डेवलपर्स अक्सर परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए NCDs का उपयोग करते हैं, क्योंकि ये निवेशकों को निश्चित रिटर्न प्रदान करते हैं।
नवीकरणीय ऊर्जा: जैसे-जैसे दुनिया सतत ऊर्जा की ओर बढ़ रही है, इस क्षेत्र की कंपनियाँ पूंजी-गहन परियोजनाओं के लिए NCDs का लाभ उठा सकती हैं।
स्वास्थ्य सेवा: स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं की बढ़ती मांग के कारण, NCDs कंपनियों के लिए नए बुनियादी ढांचे के निर्माण या सेवा विस्तार के लिए अच्छा विकल्प हो सकते हैं।

मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर फिर से किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मध्य प्रदेश ने एक बार फिर से राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर अपनी पहचान बनाई है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने घोषणा की है कि राज्य के प्राणपुर, सबरवानी, और लाडपुरा खास को देश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों के रूप में मान्यता दी गई है।

प्राणपुर को क्राफ्ट श्रेणी में, जबकि सबरवानी और लाडपुरा खास को जिम्मेदार पर्यटन के लिए चुना गया है। इन गांवों को 27 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया, जो विश्व पर्यटन दिवस के साथ मेल खाता है। यह सम्मान मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की अतिरिक्त प्रबंध निदेशक, श्रीमती बिदिशा मुखर्जी और ग्रामीण प्रतिनिधियों को प्राप्त हुआ।

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय का उद्देश्य समुदाय-आधारित मूल्यों और जीवन शैली को बढ़ावा देना और सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना है।

ITB इंडिया 2024 का सफल समापन

ITB इंडिया 2024, जो कि मुंबईके जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 13 सितंबर को आयोजित हुआ, एक सफल व्यापार-से-व्यापार ट्रेडशो साबित हुआ। इस वर्ष कादूसरा व्यक्तिगत संस्करण प्रमुख यात्रा उद्योग के पेशेवरों कोआकर्षित करने में सफल रहा और MICE, कॉर्पोरेट, लीजर, और यात्रा प्रौद्योगिकीक्षेत्रों के गुणवत्ता खरीदारोंऔर वैश्विक प्रदर्शकों के लिए नएअवसर खोले। पहले ITB इंडिया गाला डिनर में 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और प्रमुख खरीदार शामिल हुए, जिससे 25,000 से अधिक व्यावसायिक संपर्क स्थापित हुए।

इस आयोजन में 600 से अधिक भारतीय और अंतरराष्ट्रीय शीर्ष खरीदारों ने भाग लिया, जिसमें एशिया पे, क्लब मेड, केन्या पर्यटन बोर्ड, और स्पेन पर्यटन कार्यालय जैसे प्रमुख प्रदर्शक शामिल थे। मेसे बर्लिन एशिया पैसिफिक की कार्यकारी निदेशक, जॉयस वांग ने कहा कि भारत का यात्रा उद्योग अद्वितीय वृद्धि का अनुभव कर रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में यात्रा आमंत्रण पत्रिका को भी निमंत्रण मिला, जो यात्रा क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाने के लिए उत्सुक है।

OTOAI ने मुंबई में आयोजित की शानदार सदस्य मीट

आउटबाउंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओटीओएआई) ने 12 सितंबर, 2024 को मुंबई, महाराष्ट्र में प्रतिष्ठित लायला बॉम्बे में एक भव्य सदस्य मीट शाम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम काआयोजन टूरिज्म वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और ASEGO ट्रैवल इंश्योरेंस के सहयोग से किया गया, जिसमें 80 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को टूरिज्म वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और ASEGO से भरपूर समर्थन मिला, जिसने पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार संभावनाओं को उजागर किया। ओटीओएआई के अध्यक्ष श्री रियाज मुंशी ने सदस्यों की ज्ञान और विशेषज्ञता को बढ़ाने के प्रति एसोसिएशन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।उन्होंने भारत से उभरते आउटबाउंड स्थलों के लिए प्रदान की गई एक्सपोजर पर संतोष व्यक्त किया और कार्यक्रम की सफलता को टूरिज्म वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और ASEGO ट्रैवल इंश्योरेंस के साथ फलदायी सहयोग का प्रमाण माना।

ITB इंडिया 2024 के दौरान, ईरानी टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन *(ईटीओए)* और आउटबाउंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया *(ओटीओएआई)* के बीच एक समझौता ज्ञापन *(MoU)* पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल भारत और ईरान के बीच पर्यटन संबंधों को मजबूत करने, नए अवसरों की खोज करने और स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विदेशी पर्यटकों की धीमी वापसी: भारत के आतिथ्य उद्योग पर असर

महामारी के बाद भारत के इनबाउंड पर्यटन की रिकवरी में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। कोविड-पश्चात अवधि के दौरान प्रमुख चिंताओं में यात्रा प्रतिबंध, सुरक्षा संबंधी धारणाएँ और जटिल वीज़ा तथा प्रवेश प्रक्रियाएँ शामिल थीं।

भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन में सुस्त वापसी ने इनबाउंड टूर ऑपरेटरों, पर्यटक ट्रांसपोर्टरों और होटलों को प्रभावित किया है। विदेशी पर्यटकों के आगमन में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, लेकिन ये आंकड़े अभी भी कोविड-पूर्व स्तरों से नीचे हैं।जून 2024 में, जून 2023 की तुलना में विदेशी पर्यटकों के आगमन में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।हालाँकि, यह संख्या कोविड-पूर्व स्तर से 2.8% कम है।वैश्विक पर्यटन प्रवृत्ति में वृद्धि के बावजूद, अधिकांश देशों में महामारी-पूर्व स्तरों पर तेजी से सुधार हो रहा है, जबकि भारत का इनबाउंड पर्यटन अभी भी मात्रा के मामले में काफी पीछे है। नवीनतम उद्योग डेटा के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में, देश में विदेशी पर्यटकों का आगमन (एफटीए) 4.78 मिलियन तक पहुँच गया, जो महामारी से ठीक पहले 2019 की पहली छमाही के आंकड़ों का लगभग 90 प्रतिशत है।

इसके विपरीत, भारत के आउटबाउंड पर्यटन में एक अलग प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिसमें 2024 की पहली छमाही में कोविड-पूर्व स्तरों की तुलना में भारतीय राष्ट्रीय प्रस्थान में उल्लेखनीय 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।भारतीय पर्यटक वैश्विक पर्यटन के लिए एक महत्वपूर्ण विकास चालक के रूप में तेजी से उभर रहे हैं, जो 2019 तक वैश्विक आउटबाउंड बाजार का 2.4 प्रतिशत हिस्सा है।
वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएँ, मुद्रास्फीति और उतार-चढ़ाव वाली मुद्रा विनिमय दरें भी विदेशी पर्यटकों के यात्रा बजट और निर्णयों को प्रभावित करती हैं।नतीजतन, कई यात्री छोटी यात्राओं या घर के नज़दीकी गंतव्यों का विकल्प चुन सकते हैं, जिससे भारत की लंबी दूरी की यात्राओं में कमी आ सकती है।

"संकट के कम होने के बाद देखी गई K-आकार की आर्थिक रिकवरी पर्यटन में भी दिखाई दे रही है।बेहतर एयरलाइन कनेक्टिविटी और सुव्यवस्थित वीज़ा प्रक्रियाओं ने विदेशी गंतव्यों को अधिक सुलभ बना दिया है," क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंडएनालिटिक्स के शोध निदेशक पुशन शर्मा कहते हैं। "अनोखे अनुभवों जैसे वेलनेस रिट्रीट और एडवेंचर ट्रिप की मांग में बदलाव, घरेलू स्थानों पर यात्रा और ठहरने की बढ़ती लागत, विदेश यात्राओं को बराबर या थोड़ा सस्ता बना रही है।"

प्रकृति-आधारित अनुभवों, जैसे इको-टूरिज्म और एडवेंचर ट्रैवल के प्रति बढ़ती प्राथमिकता है, जबकि वेलनेस रिट्रीट, योग और आयुर्वेदिक उपचार भी लोकप्रिय हो गए हैं। यात्री अब तेजी से टिकाऊ विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, पर्यावरण के अनुकूल आवास और जिम्मेदार यात्रा प्रथाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, बुकिंग और वर्चुअल टूर में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ गया है, और संपर्क रहित सेवाएँ तथा ऑनलाइन अनुभव अधिक आम हो गए हैं। सांस्कृतिक और विरासत के अनुभवों में भी नई रुचि है, क्योंकि यात्री स्थानीय परंपराओं और इतिहास से प्रामाणिक संबंध तलाशते हैं

कई यात्री अब छोटी यात्राएँ पसंद कर रहे हैं, अक्सर लंबी छुट्टियों के बजाय सप्ताहांत की छुट्टियों का विकल्प चुनते हैं, जो आंशिक रूप से घर से काम करने की व्यवस्था के कारण है। महामारी के बाद उभरने वाला एक और रुझान स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता है; इस प्रकार, स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताएँ बनी हुई हैं, जो यात्रा विकल्पों और आवास को प्रभावित करती हैं।

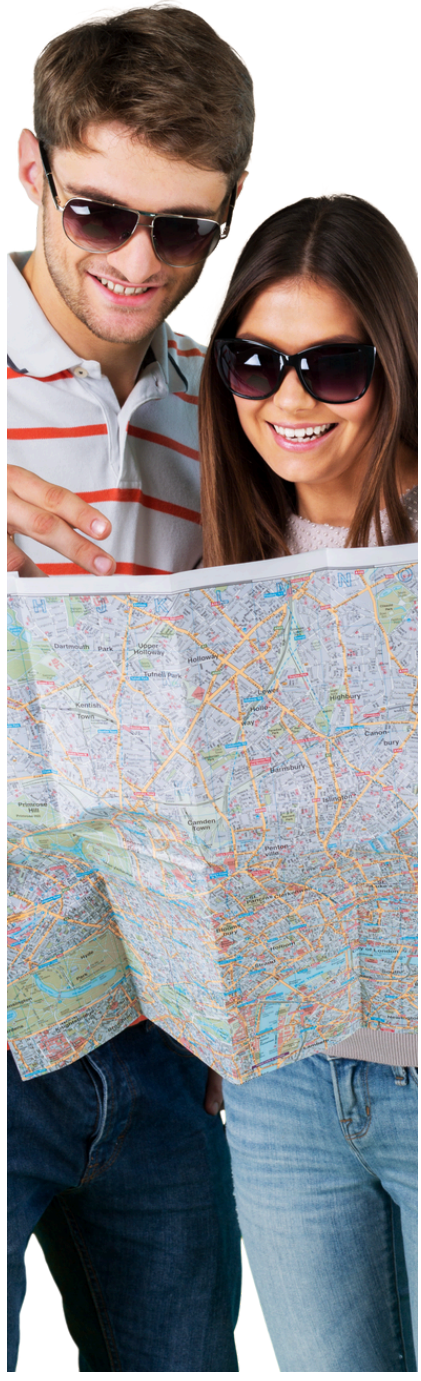

यात्रियों पर यात्रा सोशल सामग्री का असर

गौर कांजीलाल
सलाहाकार, यात्रा आमंत्रण

एक तुलनात्मक विश्लेषण

यह जानना कि कौन से ट्रैवल उपभोक्ता सोशल मीडिया से प्रभावित होते हैं, ट्रैवल मार्केटर्स को उपयोगकर्ताओं के सामने आने और उन्हें बुकिंग करने के लिए प्रेरित करने में मदद कर सकता है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 55 वर्ष से कम उम्र के तीन में से दो यात्रियों ने कहा कि उन्होंने हाल की यात्रा के लिए सोशल मीडिया सामग्री देखी, जिसके कारण उन्होंने यात्रा की। 62% ट्रिप प्लानर्स ने सोशल मीडिया सामग्री के कारण यात्रा खरीदने या योजना बनाने का निर्णय लिया। 33% ट्रिपप्लानर्स ने ऐसा नहीं किया, और बाकी 5% सुनिश्चित नहीं थे।

अध्ययन में यह भी सामने आया है कि यात्रा की आवृत्ति सोशल मीडिया के माध्यम से निर्णय लेने की संभावना को प्रभावित करती है। अक्सर यात्रा करने वाले यात्री यात्रा निर्णयों के लिए सोशल मीडिया सहित अधिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं। 18 से 34 वर्ष की आयु में सोशल मीडिया से प्रभावित होने की प्रवृत्ति सबसे अधिक है; लगभग 52% लोग इस आयु वर्ग में 3 से 5 यात्राएं करते हैं, जबकि 35-54 वर्ष के लोग 6 या उस से अधिक यात्राएं करते हैं।

सोशल मीडिया कंटेंट के प्रभाव की बात करें, तो अंतरराष्ट्रीय यात्रा योजनाकार घरेलू यात्रा योजनाकारों की तुलना में अधिक प्रभावित होते हैं।कुछ ट्रैवल कंपनियाँ पहले से ही सोशल मीडिया ट्रेंड्स पर ध्यान दे रही हैं।आपूर्तिकर्ताओं को वीडियो मार्केटिंग के महत्व के बारे में जानने की आवश्यकता है।यात्रा और पर्यटन सलाहकार पीटर सिमे के अनुसार, "वीडियो मार्केटिंग यात्रा के सभी चरणों, जैसे सपना देखना, योजना बनाना, बुकिंग करना और अनुभव साझा करना, का पालन करती है।"

उन्होंने कहा कि AI का उपयोग वीडियो को विशेष तरीके से तैयार करने के लिए किया जाएगा, जिससे यात्रा कार्यक्रम और काम करने की सूची बनाई जाएगी। सिमे ने बताया कि Google जल्द ही सब कुछ एक साथ लाएगा और YouTube पर बुकिंग की सुविधा देगा, जिसमें Klook भी शामिल है।

Klook ने पिछले साल अपने Kreator पहल के साथ मिलेनियल्स को लक्षित करने की योजना बनाई है, जो प्रदाताओं को यात्रियों से जोड़ता है।यह कदम इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है कि वैश्विक स्तर पर 60% से अधिक मिलेनियल्स, या 1.1 बिलियन लोग, एशिया में रहते हैं।

इसके अलावा, एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, TikTok दक्षिण पूर्व एशिया में यात्रा सहित स्थानीय सेवाओं का परीक्षण कर रहा है।फोकस राइट की रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि सोशल मीडिया उपयोग कर्ता यात्रा के बारे में जानकारी एकत्र कर रहे हैं, और यात्रा की योजना बनाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं में से दो में से तीन ने कहा कि उन्होंने देखी गई सामग्री के परिणामस्वरूप यात्रा की खरीदारी की।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि अंतरराष्ट्रीय यात्री अपने घरेलू समकक्षों की तुलना में सोशल मीडिया सामग्री देखने के बाद निर्णय लेने की अधिक संभावना रखते हैं।

भारत बनाम एशिया:
आतिथ्य तुलना

भारत का पर्यटन उद्योग अन्य एशियाई देशों की तुलना में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए हमें सुविधाएं, सेवाएं और प्रमोशन में और प्रयास करने होंगे।

हाल के दिनों में, दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों जैसे कंबोडिया, वियतनाम, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड और मलेशिया में पर्यटन की धूम देखने को मिली है। इन देशों में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की भारी संख्या है, जो उनकी बेहतरीन सुविधाओं, सस्ती यात्रा पैकेजों और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों के कारण आकर्षित हो रहे हैं। हालांकि, भारत में स्थिति कुछ अलग है।

कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों में होटल के दाम भारत की तुलना में काफी सस्ते हैं। यहां पर पर्यटकों को न केवल बेहतरीन सेवा मिलती है, बल्कि भोजन भी उचित मूल्य पर उपलब्ध है। इसके विपरीत, भारत में हमारे होटल और पर्यटन पैकेज अक्सर महंगे होते हैं, और जीएसटी जैसे अतिरिक्त खर्चों के कारण कीमतें और भी बढ़ जाती हैं।

इन देशों ने पिछले दो दशकों में अपने पर्यटन को विकसित किया है, और अब वे दक्षिण-पूर्व एशिया में शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक बन गए हैं।यह ध्यान देने योग्य है कि इन देशों ने पिछले 50 वर्षों में युद्ध जैसे कठिनाइयों का सामना किया, फिर भी उन्होंने अपने पर्यटन क्षेत्र को मजबूत किया।

भारत में, हमें अपने दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है।हमें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों के अनुकूल सुविधाएँ और उत्पाद विकसित करने की आवश्यकता है।यदि हम अपने होटल के दामों को प्रतिस्पर्धी नहीं बना सकते, तो हमें पर्यटन उद्योग में सुधार करने के लिए अन्य उपायों पर ध्यान देना होगा।

हमारी मानसिकता में बदलाव जरूरी है।हमें यह समझना होगा कि पर्यटन केवल आय का स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक संस्कृति और अनुभव का आदान-प्रदान भी है। यदि हम अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें उनकी आवश्यकताओं का सम्मान करना होगा और उन्हें बेहतर सेवाएँ प्रदान करनी होंगी।

इसलिए, भारत को पर्यटन के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए हमें अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाने की जरूरत है।हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम मेहमानों के लिए एक मित्रवत वातावरण बनाएँ, जिससे वे यहाँ आकर न केवल आनंद लें, बल्कि लौटने की इच्छा भी रखें।

विश्लेषण

1. भारत:
   - बजट होटलों की दरें ₹1,500 से लेकर ₹3,000 प्रति रात तक होती हैं, जो स्थान और सुविधाओं के अनुसार भिन्न होती हैं। प्रमुख शहरों में, दरें आमतौर पर अधिक होती हैं, विशेष रूप से पर्यटन क्षेत्रों में।
2. थाईलैंड:
   - बजट आवास के लिए प्रतिस्पर्धात्मक दरें, ₹1,000 से शुरू होती हैं। कई होटलों में नाश्ता और मुफ्त वाई-फाई जैसी अतिरिक्त सेवाएँ होती हैं, जो यात्रियों के लिए आकर्षक बनाती हैं।
3. श्रीलंका:
   - थाईलैंड के समान, यहाँ की दरें ₹1,200 से लेकर ₹2,800 तक होती हैं। सेवा की गुणवत्ता आमतौर पर उच्च होती है, और कई होटल प्रमुख पर्यटन स्थलों के पास स्थित होते हैं।
4. दुबई:
   - भले ही यह लक्ज़री के लिए जाना जाता हो, बजट होटलों की दरें ₹3,000 से शुरू होती हैं। हालाँकि, ये अक्सर आधुनिक सुविधाओं के साथ आते हैं, जो बजट-सचेत यात्रियों के लिए आकर्षक होते हैं।

दिल्ली पर्यटन द्वारा डांडिया उत्सव का शुभारंभ

: नवरात्रि के अवसर पर डांडिया और गरबा का उत्सव पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में, दिल्ली पर्यटन और दिल्ली सरकार ने मेज़र ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 5 और 6 अक्टूबर को दो दिवसीय डांडिया उत्सव का आयोजन कियाहै।
दिल्ली की विविध संस्कृति को दर्शाते हुए इस उत्सव में लोगों ने रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया। डीजे आकांक्षा पोपली की धुनों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया, वहीं बॉलीवुड गायिका सोनाली बहुगुणा और उर्वशी अरोड़ा ने अपने गीतों से समां बांध दिया।

उत्सव में डांडिया की मस्ती के साथ-साथ स्वादिष्ट व्यंजनों की विभिन्न स्टॉलें भी सजाई गई हैं। 6 अक्टूबर को डीजे बरखा कौल और प्रसिद्ध गायक जसबीर जस्सी के प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण रहे ।

एयरलाइन कर्मचारियों के तनाव प्रबंधन की आवश्यकता

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने एयरलाइन कंपनियों को अपने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और थकान प्रबंधन पर गहरी नजर रखने की सलाह दी है।उन्होंने कहा कि उद्योग के खिलाड़ियों को मजबूत तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और चालक दल संसाधन प्रबंधन के समाधान के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है, ताकि सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

यह बयान उस समय आया है जब नागरिक विमानन नियामक ने पायलटों के लिए आराम के नए नियमों को लागून हीं किया है। मार्च में, नागरिक विमानन महानिदेशालय ने एयरलाइनों के कड़े प्रतिरोध के कारण इन नियमों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था। एयरलाइनों का कहना था कि नए नियमों के कारण गर्मियों के यात्रा सीजन में 20% उड़ानें रद्द करनी पड़ेंगी।

हालांकि, नागरिक विमानन महानिदेशालय ने हाल ही में पायलटों में थकान को एक गंभीर चिंता के रूप में स्वीकार किया है। मंत्रालय के अनुसार, व्यस्त कार्यक्रमों के कारण पायलटों की स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि हो रही है, जिससे कई मामलों में उनकी जान भी जा चुकी है। इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार सभी हितधारकों के साथ मिलकर नए नियमों पर काम कर रही है।विमानन डेटाविश्लेषण फर्म OAG के अनुसार, भारत ने अब ब्राजील और इंडोनेशिया को पीछे छोड़ते हुए तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बना लिया है।

पिछले 50 वर्षों में यांत्रिक विफलता के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई है, लेकिन वर्तमान में अधिकांश दुर्घटनाओं का कारण मानवीय कारक बन रहा है।ऐसे में कर्मचारियों की भलाई पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

हमारे सलहाकार श्री गौर कांजीलाल बने मुख्य अतिथि

विश्व पर्यटन दिवस 2024 पर, करनाल में गुरु नानक खालसा कॉलेज ने पर्यटन विभाग की प्रमुख सुश्री सोनिया वधावन के नेतृत्व में एक आकर्षक समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों में यात्रा आमंत्रण के सलहाकार श्री गौर कांजीलाल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये गए थे । उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए इस वर्ष की थीम पर अंतर्दृष्टि साझा की, जिसमें अंतर-सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने और स्थिरता को बढ़ावा देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

मंदिरों का भव्य इतिहास

चेतन वधेर

अंसूया माता मंदिर

अंसूया माता मंदिर सती अंसूया, जो महान ऋषि अत्रि मुनि की पत्नी हैं, का प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर गोपेश्वर, चमोली में समुद्र स्तर से 2175 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस प्रसिद्ध मंदिर तक की यात्रा मंडल से शुरू होती है, जो लगभग 4 किलोमीटर लंबी है। यात्रा के रास्ते में ऊंचे पहाड़ और घने जंगल हैं, और अत्रि मुनि आश्रम की ओर एक विशाल झरना है।

अंबिकेश्वर महादेव मंदिर

10वीं सदी का अंबिकेश्वर महादेव मंदिर आमेर में स्थित है। यह क्षेत्र का एकमात्र शिव मंदिर है जिसमें शिवलिंग जमीन के नीचे है। कहा जाता है कि आमेर के कछवाहा राजपूतों के शासक काकिल देव की एक गाय केवल एक विशेष स्थान पर दूध देती थी। जब उन्होंने खुदाई करवाई, तो वहां शिवलिंग मिला। इसके बाद, उन्होंने वहां मंदिर बनवाने का आदेश दिया।

पखरबाव गणपति मंदिर

पखरबाव गणपति मंदिर दाभोले गांव से 2 किलोमीटर और देवगढ़ से 11 किलोमीटर दूर देवगढ़-दाभोले-ढीबाव मार्ग पर स्थित है। यह मंदिर पांडवों के समय का है। काले पत्थर की गणेश की मूर्ति संगमरमर पर बहुत आकर्षक है। यह गणेश अपने वाहन चूहे के साथ बैठे हैं। पखरबाव गणपति भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

आधी विनायक मंदिर

तमिलनाडु राज्य के दक्षिणी हिस्से में स्थित भगवान गणेश का अनोखा मंदिर, आधी विनायक के रूप में अरुल्मिगु मुक्थेश्वर मंदिर, पूंथोट्टम गांव में है। यह मंदिर लगभग 1400 साल पुराना है। यहां भगवान गणेश मानव चेहरे के साथ और बिना सूंड के दिखते हैं। इस मंदिर में भगवान गणेश को "आधी विनायक" के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव के मुक्थेश्वर रूप से संबंधित है।

त्रिनेत्र गणेश मंदिर

त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथम्भोर किले के अंदर स्थित है और यह राजस्थान के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है, जिसका इतिहास 1299 में है। यह दुनिया का एकमात्र मंदिर है जिसमें भगवान गणेश का पूरा परिवार है और उनकी मूर्ति तीन आंखों वाली है।

उज्बेकिस्तान

अद्भुत संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का गंतव्य

खुशियों का देश

उज्बेकिस्तान पृथ्वी पर सबसे खुशहाल देशों में से एक है और दुनिया के ***5*** सबसे सुरक्षित देशों में से भी एक है।

उज्बेकिस्तान, एक ऐसा देश जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और समृद्ध इस्लामी इतिहास के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, रेशम मार्ग के शहरों की शान का प्रतीक है। लेकिन इसके अलावा, यहाँ का विविध परिदृश्य भी ट्रेकर्स और पैदल यात्रियों के लिए इसे एक खास गंतव्य बनाता है। घास के ऊंचे मैदान, शुष्क रेगिस्तान, नदियाँ, जंगल और पहाड़ सभी एक साथ मिलकर इस देश की खूबसूरती को बढ़ाते हैं।

आयदारकुल झील: एक अनोखा अनुभव

आयदारकुल झील, जो कि एक विशाल रेगिस्तान के बीच स्थित है, मुख्यतः मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के पर्यटक ऊंट ट्रेकिंग और युर्टिंग जैसी गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। इसके आस-पास का क्षेत्र आपको एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है, जो प्रकृति के करीब ले जाता है।

चिमगन पर्वत: साहसिकता का केंद्र

ताशकंद से केवल दो घंटे की दूरी पर स्थित चिमगन पर्वत, बाइकिंग और ट्रेकिंग के लिए आदर्श स्थल है। यहाँ के खूबसूरत फूलों और गाँव की धीमी गति आपको एक अद्भुत अनुभव देती है। इस प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के बाद आप कभी पछताएंगे नहीं।

उज्बेक संस्कृति का स्वाद

उज्बेकिस्तान की संस्कृति में, मेहमानों का स्वागत करने का सबसे अच्छा तरीका है उन्हें भोजन और पेय पेश करना। निशाल्डा, जो एक पारंपरिक उज्बेक मिठाई है, विशेष रूप से रमजान के समय बनाई जाती है। इसके अलावा, पूरे देश में 100 से अधिक प्रकार की रोटियाँ बनाई जाती हैं, जिनमें पातिर खासतौर पर पसंद किया जाता है। यह दूध और मक्खन के साथ तैयार की जाती है और खास अवसरों पर मिट्टी के तंदिर ओवन में पकाई जाती है।

यात्रा का सही समय

उज्बेकिस्तान की यात्रा के लिए वसंत और शरद ऋतु का समय (सितंबर से नवंबर) सबसे उपयुक्त होता है। इस दौरान मौसम अनुकूल रहता है और आप इस देश की संस्कृति का सही अनुभव कर सकते हैं।

रंग-बिरंगे इकात और बुखारा कालीन

उज्बेकिस्तान में इकात के रेशमी कपड़े की विशेषता है, जिसे आप अधिकांश बाजारों में सभी रंगों में देख सकते हैं। इसके अलावा, बुखारा का कालीन भी प्राचीन काल से वैश्विक ब्रांड बन चुका है।

WILL INDIA CHANGE FOUNDATION

Welcome to the Will India Change Foundation, where our unstoppable passion for women's empowerment and education fuels a transformative movement! Partnering with iconic brands like Borghi India, Navneet Education, BSV, GITS Food, Gala Plastic, and Mamy Poko Pant, we are creating waves of impact through our dynamic social initiatives. We proudly hold five India Book of Records and have been spotlighted by over 75 leading newspapers, showcasing our groundbreaking events. Over the past years, we've ignited inspiration in more than 25 cities across India, uplifting women and energizing communities. Together, we are not just imagining a brighter future—we're building it! Join us in this exhilarating journey of change!

www.willindiachange.org

इजारा

महिलाओ द्वारा संचालित भोजनालय

— OUR PRESENCE —

Mumbai | Delhi | Dehradun
Valsad | Amravati | Lucknow
Thane | Dist Palghar | Prayagraj
Chennai

हम है इजारा,
हमारे साथ कीजीये स्वाद से परिचय

BOLLYWOOD
FIRST ALL
WOMEN
CATERING SERVICE

A project to empower underprivileged WOMEN

A social cause Initiative by
Will India Change Foundation

Visit us at
www.willindiachange.org

WILL INDIA CHANGE FOUNDATION

• CONTACT US •

Project Head/Catering	Project Head/New Mumbai	Project Coordinator/Vidarbha Region
SUHASINI SAKIR	BIDDISHA MUKHOPADHYA	MADHURI SUDHA
+91 77589 68909	+91 98690 51721	+91 93716 71707

For any kind of query whats app at +91 99712 29644

ADDRESS : B 121, 2nd Floor, Green Field Colony, Faridabad, Haryana 121001